SUBJECT NAME HISTORY

SUBJECT CODE 027

(Q.P. CODE 61-2-2)

Marking Scheme –Hindi medium

Strictly Confidential

(For Internal and Restricted use only)

Senior Secondary School Certificate Examination, 2026

सामान्य निर्देश:-

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं।

	ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 80 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ:

	• उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने "एनए" (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अंक योजना

इतिहास (विषय कोड-027)

(पेपर कोड : 61/2/2) (12-02-27N)

नोट: अंक योजना में उल्लिखित पृष्ठ संख्याएं नवीनतम एन सी ई आर टी ई-पुस्तक से ली गई हैं।

प्र. सं .	अपेक्षित परिणाम/मूल्य बिंदु	पृष्ठ सं.	अंक
	खंड- क **(बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न)**		21x1= 21
1.	(A) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R)**, **(A)** की सही व्याख्या करता है।	89	1
2.	(A) I,II,III सही हैं ।	91	1
3.	(C) (a) (ii), (b) (iv), (c) (i), (d) (iii)	32	1
4.	(C) एकलव्य ने द्रोण को अपना दाहिना अंगूठा गुरु दक्षिणा में दिया।	62	1
5.	(B) उसने चार वर्णों के बीच विवाह संबंधों पर रोक लगाई।	63	1
6.	(D) कुषाण शासकों ने	44	1
7.	(B) महाबलीपुरम की मूर्ति	109	1
	(C) (तमिलनाडु) दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए	108	1
8.	(D) सिंचाई के लिए टयूबवेल की उपलब्धता	198	1
9.	(D) मार्को पोलो-इटली	137	1
10.	(A) अहोम	210	1
11	(D) II,I,IV,III	173	1
12.	(D) शेख निज़ामुद्दीन औलिया	153	1
13.	(D) I, III और IV सही हैं	143	1
14.	(C) इब्न-बतूता	118	1

15.	(B) फ्रांसिस बुकानन	236	1
16.	(A) पहाड़ी लोग विस्थापित हो और ऊपरी पहाड़ियों पर चले गए।	239	1
17.	(B) हो – ची – मिन्ह	286	1
18.	(C) वेलेजली – पाश्चात्य शिक्षा	265	1
19.	(C) सरदार पटेल	320	1
20.	(D) केवल I और II सही हैं	262	1
21.	(B) I, II, IV, III	289	1
	खंड – ख **(लघु -उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		6X3=18
22.	**(a) बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति कैसे हुई? स्पष्ट कीजिये।** (I) बुद्ध की बाहरी दुनिया की यात्रा बहुत पीड़ादायक थी। जब उन्होंने एक बूढ़े आदमी, एक बीमार आदमी और एक लाश को देखा तो उन्हें बहुत दुख हुआ। (II) उस पल उन्हें एहसास हुआ कि इंसानी शरीर का क्षय और अंत तय है। (III) उन्होंने एक गृहत्याग किये सन्यासी को देखा, जो उन्हें ऐसा लगा कि बुढापे, बीमारी और मृत्यु को स्वीकार कर चुका था और उसे शांति मिल गई थी। (IV) इसके तुरंत बाद, उन्होंने महल छोड़ दिया और अपने सत्य की तलाश में निकल पड़े। सिद्धार्थ ने कई रास्ते अपनाए, जिसमें शरीर को अत्यधिक कष्ट देना भी शामिल था, जिससे वह मृत्यु के करीब पहुँच गए।	90	3X1=3

	(V) इन मुश्किल तरीकों को छोड़कर, उन्होंने कई दिनों तक ध्यान किया और आखिर में ज्ञान प्राप्त किया। इसके बाद उन्हें बुद्ध या ज्ञानी के नाम से जाना जाने लगा। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन **अथवा** **(b) साँची की मूर्तिकला को समझने में बौद्ध साहित्य कैसे सहायक है ? स्पष्ट कीजिए।** (I) वेसान्तर जातक एक उदार राजकुमार की कहानी है जिसने अपना सब कुछ एक ब्राह्मण को दे दिया और अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जंगल में रहने चला गया। (II) पवित्र कहानियों के अनुसार, बुद्ध को एक पेड़ के नीचे ध्यान करते हुए ज्ञान प्राप्त हुआ था। (III) रिक्त स्थान बुद्ध के ध्यान की दशा को दिखाने के लिए थी और स्तूप महापरिनिब्बान को दिखाने के लिए था। (IV चक्र, बुद्ध के सारनाथ में दिए गए पहले उपदेश को दर्शाता है। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन	99-101	3X1=3
23.	**प्राचीन भारत में ' जाति ' और 'वर्ण' की सामाजिक श्रेणियों में अंतर स्पष्ट कीजिए।** **जाति और वर्ण:** (I) ब्राह्मणवादी सिद्धांत में जाति जन्म पर आधारित होती है और जातियों की कोई निश्चित संख्या नहीं होती। (II) वर्ण एक सामाजिक श्रेणी है और इसकी संख्या चार निश्चित है। (III) कुछ व्यावसायिक श्रेणियां, जैसे सुनार, चार वर्णों में आसानी से समाहित नहीं होतीं, इसलिए उन्हें एक जाति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, इस प्रकार जाति एक समान व्यवसाय साझा करती है। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन	63	3X1=3

24.	**मुगल काल के दौरान कृषि समाज में महिलाओं की भूमिका की परख कीजिए।** कृषि प्रधान समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका थी । (I) समाज में संतानोत्पत्ति करने वाली महिलाएं एक महत्वपूर्ण संसाधन थीं। (II) समय के साथ ये बच्चे कृषि कार्यों के लिए सस्ती मजदूरी प्रदान करते थे। (III) महिलाएं फसलों की बुवाई, निराई, और कटाई में सहायता करती थीं। (IV) इसके अलावा, महिलाएं घर के सभी काम करती थीं। (V) सूत कातना, मिट्टी साफ़ करना और गूंधना तथा कढ़ाई जैसे शिल्पकारी कार्य उत्पादन के उन अनेक पहलुओं में से थे जो महिला श्रम पर निर्भर थे। (VI) इस प्रकार, कृषि प्रधान समाज में महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन	206	3X1=3
25.	**बाबा गुरु नानक देव जी द्वारा 15वीं शताब्दी में स्थापित परंपराएँ आज भी महत्वपूर्ण और प्रचलित क्यों हैं? स्पष्ट कीजिए।** (I) गुरु नानक देव जी द्वारा स्थापित परंपराओं का सार्वभौमिक प्रभाव था। (II) गुरु नानक देव जी ने जो कुछ कहा और किया, वह समस्त मानवता के कल्याण के लिए था। (III) लंगर प्रणाली आज भी जारी है। (IV) गुरु नानक देव जी का यह संदेश कि ईश्वर एक है और सर्वव्यापी है, आज भी प्रचलित है।	162	3X1=3

	(V) गुरु नानक का संदेश उनके भजनों में स्पष्ट रूप से व्यक्त किया गया है। (VI) उन्होंने ईश्वर के नाम का स्मरण और जाप करके ईश्वर से जुड़ने का एक सरल तरीका सुझाया। (VII) बाबा गुरु नानक ने अपने अनुयायियों को एक समुदाय के रूप में संगठित किया। उन्होंने सामुदायिक उपासना (संगत) के लिए नियम बनाए। इसमें सामूहिक पाठ शामिल था। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु		
26.	**उन कारणों की परख कीजिए जिनके लिए गांधीजी ने 1920 में एक राष्ट्रव्यापी अभियान का आह्वान किया।** (I) 1914-18 के महान युद्ध के दौरान, अंग्रेजों ने प्रेस पर प्रतिबन्ध लागू कर दी थी और बिना जाँच के लोगों को कारावास में रखने की अनुमति दे दी थी। (II) रॉलेट एक्ट पारित होने के बाद भी ये कठोर उपाय जारी रहे। इसके जवाब में, गांधीजी ने रॉलेट एक्ट के खिलाफ देशव्यापी अभियान का आह्वान किया। (III) जलियांवाला बाग में हजारों लोगों का नरसंहार हुआ। (IV) संघर्ष को और व्यापक बनाने के लिए गांधीजी ने खिलाफत आंदोलन के साथ हाथ मिलाया। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • जांचे जाने वाले कोई तीन बिंदु	**289**	**3X1=3**
27.	**(a) 1857 के विद्रोह से पहले भारत के विभिन्न क्षेत्रों में फैली अफवाहों की व्याख्या कीजिए।** अफवाहें: (I) एनफील्ड राइफलों के नए कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी लगी हुई थी	**264-265**	**3X1=3**

	(II) अंग्रेजों ने गाय और सूअर की हड्डियों का चूरा आटे में मिला दिया था (III) इस बात का डर और शक था कि अंग्रेज़ भारतीयों को ईसाई धर्म में बदलना चाहते हैं। (IV) उत्तर भारत के विभिन्न हिस्सों से चपातियां बाँटने की रिपोर्ट आ रही थीं। लोग इसे एक बड़े उथल –पुथल का संकेत मान रहे थे। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • समझाए जाने वाले कोई तीन बिंदु		
	अथवा		
	(ख) 1857 के विद्रोह को जानने के स्रोतों की व्याख्या कीजिए । (I) ब्रिटिश रिकॉर्ड: पत्र और डायरी, आत्मकथाएँ और आधिकारिक इतिहास (II) कला और साहित्य (III) विद्रोही घोषणाएँ (IV) विद्रोही सूचनाएँ (V) ब्रिटिश अधिकारियों के ज्ञापन और टिप्पणियाँ • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • समझाए जाने वाले कोई तीन बिंदु	**277**	**3X1=3**
	खंड – ग **(दीर्घ- उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		**3×8 = 24**
28.	**(a) पुरातत्वविदों ने हड़प्पावासियों की आहार पद्धति और कृषि तकनीकों का पुनर्निर्माण कैसे किया है? स्पष्ट कीजिए।** (I) हड़प्पावासी विभिन्न प्रकार के पौधों और पशु उत्पादों का सेवन करते थे। (II) पुरातत्वविदों को जले हुए अनाज और बीज मिले, जिनका अध्ययन पुरातत्व-वनस्पतिशास्त्रियों ने किया।	**2-3**	**4+4=8**

	(III) हड़प्पा स्थलों पर पाए गए अनाजों में गेहूं, जौ, मसूर, चना और बाजरा शामिल थे। (IV) हड़प्पा स्थलों पर पाए गए पशुओं की हड्डियाँ मवेशी, भेड़, बकरी, सूअर, भैंस आदि की थीं। पुरा-प्राणीविज्ञानियों या जीव- पुरातत्वविदों द्वारा किए गए अध्ययनों से संकेत मिलता है कि ये जानवर पालतू थे। (V) हड़प्पावासी इन पशुओं का शिकार करते थे, संभवतः भोजन के लिए। (VI) अनाजों की खोज से कृषि की व्यापकता का संकेत मिलता है। (VII) चोलिस्तान और बनावली (हरियाणा) के स्थलों पर हल के टेराकोटा मॉडल पाए गए हैं। पुरातत्वविदों को कालीबंगन (राजस्थान) में भी जुते हुए खेत के प्रमाण मिले हैं। (VIII) खेत में एक दूसरे के समकोण पर दो हल की क्यारियाँ थीं, जिससे पता चलता है कि दो अलग-अलग फसलें एक साथ उगाई जाती थीं। (IX) सिंचाई कुओं और नहरों द्वारा की जाती थी। अफगानिस्तान के शोर्तुघई स्थित हड़प्पाकालीन स्थल पर नहरों के निशान पाए गए हैं। (X) धोलावीरा (गुजरात) में पाए गए जल भंडारों का उपयोग कृषि के लिए जल संग्रहण हेतु किया जाता रहा होगा। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • समझाए जाने वाले कोई तीन बिंदु		
	अथवा **(b) पुरातत्वविदों को हड़प्पावासियों की धार्मिक प्रथाओं और विश्वासों की व्याख्या करने में कठिनाई क्यों हुई है? स्पष्ट कीजिए।** (I) पुरातत्वविदों को धार्मिक प्रथाओं का पुनर्निर्माण करना कठिन लगा। (II) प्रारंभिक पुरातत्वविदों ने कुछ असामान्य वस्तुओं को धार्मिक महत्व का माना। (III) आभूषण से सजी नारी मिन्मुर्तियों को मातृ देवी माना जाता था। (IV) लगभग मानकीकृत मुद्रा में बनी पुरुषों की दुर्लभ पत्थर की मूर्तियों को 'पुरोहित-राजा' का प्रतीक माना जाता था। (V) मुहरों के धार्मिक महत्व का परीक्षण, जैसे 'प्रोटो-शिव'।	**23**	8X1=8

	(VI) पौधों के उत्कीर्णण को प्रकृति पूजा से जोड़ा जाता था। (VII) ये सभी धारणाओं पर आधारित हैं, इसलिए ये विचार अनुमानित हैं। (VIII) कुछ संरचनाओं को अनुष्ठानिक महत्व दिया गया है। इनमें कालीबंगन और लोथल में पाए गए विशाल स्नानघर और अग्नि वेदी शामिल हैं। (IX) पत्थर की चक्की और पात्र धार्मिक प्रतीकों के संदर्भ में अधिक संदिग्ध हो जाते हैं। (X) शंकु के आकार की पत्थर की वस्तुओं को लिंग के रूप में वर्गीकृत किया गया है। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • समझाए जाने वाले कोई तीन बिंदु		
29.	**(a) भारत के संविधान की परिकल्पना को आकार देने वाली घटनाओं का वर्णन कीजिए।** (I) संविधान बनने से ठीक पहले के वर्ष अत्यंत उथल-पुथल भरे थे। 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र तो हो गया था, लेकिन साथ ही विभाजित भी हो गया था। (II) अगस्त 1946 के कलकत्ता हत्याकांड ने उत्तरी और पूर्वी भारत में लगभग पूरे वर्ष निरंतर दंगों की शुरुआत की। (III) भारत के विभाजन की घोषणा के साथ ही जनसंख्या स्थानांतरण के दौरान हुए नरसंहारों ने हिंसा को चरम पर पहुंचा दिया। (IV) लाखों शरणार्थी पलायन कर रहे थे, मुसलमान पूर्वी और पश्चिमी पाकिस्तान में, हिंदू और सिख पश्चिम बंगाल और पंजाब के पूर्वी भाग में। कई लोग अपने गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही मर गए। (V) नव राष्ट्र के सामने एक और समस्या रियासतों की थी। (VI) इसी पृष्ठभूमि में संविधान सभा की बैठक हुई।	317-318, 322	**8X1=8**

	(VII) जे.एल. नेहरू ने संविधान की वह परिकल्पना प्रस्तुत की जो संविधान के आदर्श का प्रतिनिधित्व करती थी। (VIII) इसने भारत को एक स्वतंत्र संप्रभु गणराज्य घोषित किया। (IX) इसने नागरिकों को न्याय, समानता और स्वतंत्रता की गारंटी दी। (X) इसने पिछड़े, अल्पसंख्यक और आदिवासी आदि के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की। (XI) नेहरू ने अमेरिकी और फ्रांसीसी क्रांति का उल्लेख किया। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन **अथवा** **(b) संविधान सभा में पृथक निर्वाचिका के विरुद्ध दिए गए तर्कों का वर्णन कीजिए।** ((I) पोकर बहादुर ने अलग निर्वाचक मंडल को जारी रखने के लिए ज़ोरदार अपील की। (II) कई राष्ट्रवादी नेताओं ने अलग निर्वाचक मंडल के इस विचार का विरोध किया। (III) कई राष्ट्रवादियों ने अलग निर्वाचक मंडल को जनता को विभाजित करने का एक जानबूझकर उठाया गया कदम माना। (IV) धुलेकर ने अलग निर्वाचक मंडल के विचार का विरोध किया। (V) पटेल ने घोषणा की कि अलग निर्वाचक मंडल अल्पसंख्यकों के लिए ज़हर है। (VI) उन्होंने विभाजन का रक्तपात देखा था। (VII) पंत ने कहा कि अलग निर्वाचक मंडल न केवल राष्ट्र के लिए बल्कि अल्पसंख्यकों के लिए भी हानिकारक है।	327-330	**8X1=8**

	(VIII) उनके अनुसार, यह एक आत्मघाती मांग थी जो अल्पसंख्यकों को स्थायी रूप से अलग-थलग कर देगी, उन्हें असुरक्षित बना देगी और सरकार में उनकी प्रभावी भूमिका को छीन लेगी। (IX) सभी मुसलमान अलग निर्वाचक मंडल के विचार के समर्थक नहीं थे। बेगम ऐज़ाज रसूल ने कहा कि अलग निर्वाचक मंडल का विचार आत्मघाती है। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु पृष्ठ • किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन		
30.	**(a)"कृष्णदेव राय के शासनकाल में विजयनगर अतुलनीय शांति और समृद्धि की स्थितियों में फला-फूला, परन्तु उनकी मृत्यु के पश्चात विजयनगर का पतन हुआ।" इस की व्याख्या उदाहरणों सहित कीजिए।** (I) कृष्णदेव राय एक कुशल और शक्तिशाली शासक थे। (II) उनके शासनकाल में विस्तार और सुदृढ़ीकरण का बोलबाला रहा। उन्होंने 1512 में तुंगभद्रा और कृष्णा नदियों के बीच स्थित भूमि (रायचूर दोआब) पर विजय प्राप्त की। 1514 में उन्होंने उड़ीसा के शासकों को अपने अधीन कर लिया और 1520 में बीजापुर के सुल्तान को करारी हार दी। (III) उन्हें कुछ उत्कृष्ट मंदिरों के निर्माण और दक्षिण भारत के कई महत्वपूर्ण मंदिरों में भव्य गोपुरम बनवाने का श्रेय दिया जाता है। (IV) उन्होंने अपनी माता के नाम पर विजयनगर के पास नगलपुरम नामक एक उपनगर की स्थापना भी की। (V) उनके वंशज कुशल और शक्तिशाली नहीं थे। (VI) उनके उत्तराधिकारियों को विद्रोही नायकों से चुनौती का सामना करना पड़ा। (VII) 1542 तक केंद्र का नियंत्रण अराविदु के हाथों में चला गया था। (VIII) राम राय विजयनगर के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने 1565 में राक्षसी तंगड़ी के युद्ध में सेना का नेतृत्व किया। (IX) उन्होंने बीजापुर, गोलकोंडा और अहमदनगर के सुल्तानों की संयुक्त सेनाओं के विरुद्ध युद्ध किया। संयुक्त सेनाएँ विजयी रहीं और उन्होंने विजयनगर नगर को लूट लिया। (X) इस प्रकार कुछ ही वर्षों में विजयनगर पूरी तरह से वीरान हो गया। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन	173	**8X1=8**

	अथवा **(b) "मध्यकालीन भारत में विजयनगर की किलेबंदी बहुत प्रभावशाली थी।" इस कथन की व्याख्या उदाहरणों सहित किजिये।** (I) अब्दुर रजाक शहर की किलेबंदी से प्रभावित थे। (II) उन्होंने किले की सात पंक्तियों का उल्लेख किया। (III) ये दीवारें कृषि भूमि और जंगलों को घेरे हुए थीं। (IV) यह एक विशाल पत्थर की संरचना थी। निर्माण में कहीं भी गारे या सीमेंट का प्रयोग नहीं किया गया था। (V) पत्थर के ब्लॉक फानाकर के आकार के थे, जो उन्हें अपनी जगह पर टिकाए रखते थे, और दीवारों का भीतरी भाग मलबे से भरी मिट्टी का था। (VI) जिन कृषि भूमि में चावल उगाया जाता था, उनकी सिंचाई तुंगभद्रा से आने वाली नहर द्वारा की जाती थी। (VII) कृषि भूमि की किलेबंदी का उद्देश्य मध्ययुगीन घेराबंदी के दौरान लोगों को भुखमरी से बचाना था। (VIII) किलेबंदी की दूसरी पंक्ति शहरी परिसर के भीतरी भाग के चारों ओर थी। (IX) किले में प्रवेश अच्छी तरह से सुरक्षित द्वारों से होता था। (X) सड़कें आम तौर पर पथरीले इलाकों से बचते हुए घाटियों से होकर घुमावदार रास्ते बनाती थीं। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन	177	**8X1=8**

	खंड – घ **(स्रोत-आधारित प्रश्न)**		**3X4= 12**
31.	**यूरोप के लिए एक चेतावनी** **(31.1) बर्नियर ने अपने यूरोपियन राजाओं को मुगल राजतन्त्र के तरीके ना अपनाने की चेतावनी क्यों दी ?** (I) मुगल साम्राज्य सभ्य, सुव्यवस्थित और समृद्ध साम्राज्य होने से बहुत दूर था। (II) मुगल साम्राज्य में सम्राट, भिखारियों और बर्बरों का राजा था। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु	**132**	**1**
	(31.2) भू-स्वामित्व पर यूरोपीय और मुगलों के बीच एक अंतर स्पष्ट कीजिए । (I) मुगल भारत और यूरोप के बीच मूलभूत अंतरों में से एक यह था कि मुगल भारत में भूमि पर निजी स्वामित्व नहीं था। (II) मुगल भारत में भूमि का स्वामी सम्राट था। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु		**1**
	(31.3) बर्नियर के वृतान्त ने 18वीं सदी के बाद से पश्चिमी सिद्धांतकारों को कैसे प्रभावित किया? स्पष्ट कीजिए। (I) बर्नियर के वर्णनों ने अठारहवीं शताब्दी से पश्चिमी विचारको को प्रभावित किया (II) फ्रांसीसी दार्शनिक मोंटेस्क्यू ने इस विवरण का उपयोग प्राच्य निरंकुशता के विचार को विकसित करने के लिए किया। उनका मानना था कि प्राच्य जगत के शासकों के पास असीमित शक्ति होती है और		**2**

	जनता पर उनका पूर्ण अधिकार होता है। प्रजा को अधीनता और गरीबी में रखा जाता है। (III) इस विचार को कार्ल मार्क्स ने उन्नीसवीं शताब्दी में एशियाई उत्पादन प्रणाली की अवधारणा के रूप में और विकसित किया। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु		
32	**वनों की कटाई और स्थाई कृषि के बारे मे** **(32.1) खेती के संबंद्ध में परिदृश्य का वर्णन क़िस प्रकार किया गया है?** (I) बुकानन का मत था कि राजमहल क्षेत्र के गाँव खेती के लिए उपयुक्त हैं, विशेषकर घाटियों में धान की खेती के लिए। (II) बिखरे हुए पेड़ों के साथ साफ की गई भूमि और चट्टानी पहाड़ियाँ अपने आप में पूर्ण थीं। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु	245	1
	(32.2) खेती के विस्तार के लिए किन फसलों को सुझाया गया ? (I) टसर, पनई, महुआ, लाख, ताड़ और पलास • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु		1
	(32.3) आर्थिक विकास के लिए भूमि के उपयोग हेतु बुकानन द्वारा दिए गए प्रस्ताव की व्याख्या कीजिय। (I) बुकानन ने कंपनी के व्यावसायिक हितों और प्रगति की आधुनिक पश्चिमी अवधारणाओं को समझा। (II) उनका मानना था कि जंगलों को कृषि भूमि में परिवर्तित किया जाना चाहिए।		2

	(III) जंगलों की जगह आसन, पलास (टसर रेशम के कीड़े) और लाख के बागान लगाए जाने चाहिए। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु		
33.	**मालाबार तट** **(वर्तमान केरल)** **(33.1) व्यापार के प्रसार में नदियों की भूमिका का उल्लेख कीजिए।** (I) प्राकृतिक परिवहन मार्ग (II) सस्ता और कुशल परिवहन (III) संपर्क • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु	44	1
	(33.2) भारत और अन्य देशों के बीच बड़ी संख्या में वस्तुओं का व्यापार क्यों होता था? (I) भारत और अन्य देशों के बीच बड़ी मात्रा में वस्तुओं का व्यापार होता था क्योंकि भारत एक समृद्ध देश होने के नाते काली मिर्च, दालचीनी, कच्चा तेल, पुखराज खनिज और अन्य कई वस्तुएँ व्यापार के लिए उपलब्ध कराता था। (II) अन्य देशों को इन वस्तुओं की आवश्यकता थी, इसलिए व्यापार फलता-फूलता रहा। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु		1
	(33.3) कोडुमनाल में मनका बनाने के उद्योग के विकास के कारण स्पष्ट कीजिए। (I) पुरातात्विक साक्ष्यों से सिद्ध होता है कि तमिलनाडु के कोडुमनल में बहुमूल्य और अर्ध-बहुमूल्य पत्थर पाए गए थे। (II) कुछ बहुमूल्य पत्थर तटवर्ती कई अन्य स्थलों से लाए गए थे।		2

	(III) इन पत्थरों की उपलब्धता से मनके बनाने के उद्योग की स्थापना हुई। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु		
	खंड – ड **(मानचित्र- आधारित प्रश्न)**		**3+2=5**
34.	**34.1 भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र में, निम्नलिखित स्थानों को उपयुक्त चिन्हों अथवा प्रतीकों से अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए:** (i) बनावली – विकसित हड़प्पा पुरास्थल (ii) कन्नौज- प्रारंभिक राज्यों का एक महत्वपूर्ण शहर (iii) (a) अजमेर - मुगलों के अधीन एक शहर अथवा (b) बीदर - एक मध्यकालीन शहर		**3X1=3**
	34.2 भारत के इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर,भारतीय आंदोलन से संबंधित दो केंद्रों को A और B से अंकित किया गया है। इनको पहचानिए और इनके सही नाम उनके निकट खिंची गईं रेखाओं पर लिखिए।		**2X1=2**

34.	प्रश्न सं. 34 के लिए मानचित्र Map for Q. No. 34 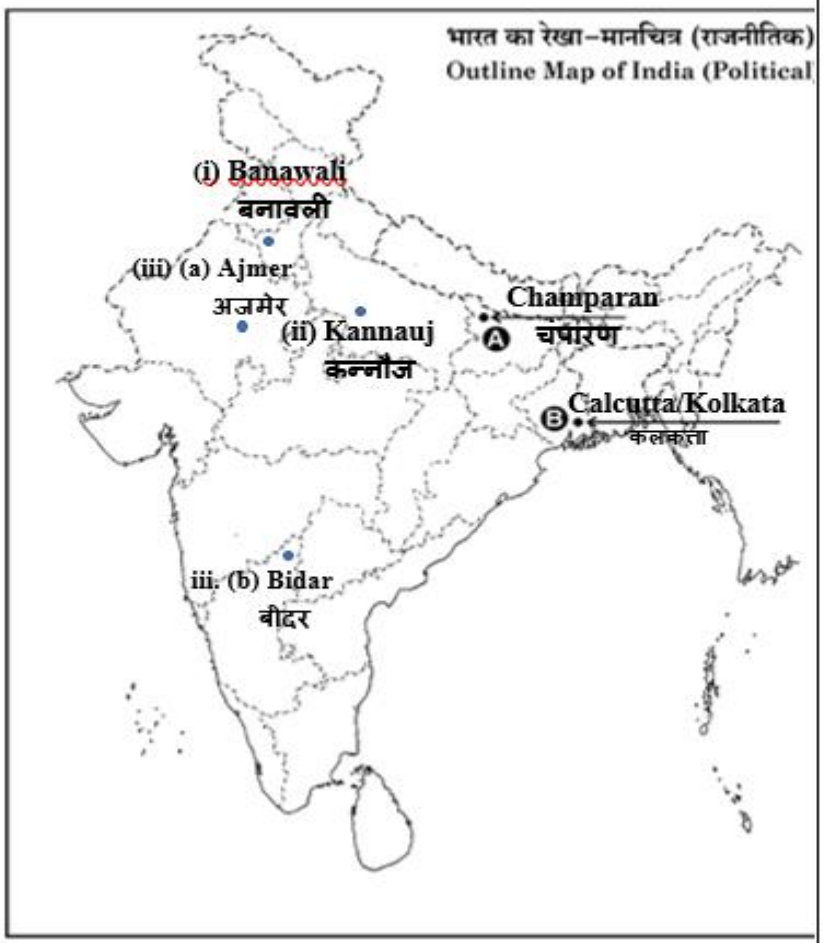 		
34.	**नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रशन संख्या 34 के स्थान पर है:** **34.1 वर्तमान हरियाणा राज्य से किसी एक हड़प्पा पुरास्थल का उल्लेख करें।** **34.2 बाबर के शासन के अधीन रहें किसी एक शहर का नाम लिखिए।** **34.3 किसी एक मध्यकालीन शहर का उल्लेख करे।** **34.4 भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के किन्हीं दो केंद्रों के नाम लिखिए।**		
(34.1)	राखीगढ़ी, बनवाली (कोई अन्य)	1	
(34.2)	पानीपत , आगरा, दिल्ली (कोई और)	1	
(34.3)	हम्पी , आगरा, सूरत (कोई अन्य)	1	
(34.4)	चंपारण , अमृतसर (कोई अन्य)	2	